Seventeenth Loksabha

an>

Title: Re. Estimation of damages caused in Bihar due to drought and compensation to farmers and also maintenance and preservation of damaged dams on Bagmati River.

श्री सुनील कुमार पिन्टू (सीतामढ़ी): सभापति महोदय, मैं आपका संरक्षण भी चाहूंगा, क्योंकि जो बात मैं इस सदन में अभी रखने जा रहा हूँ, वह मेरे लोक सभा क्षेत्र और आपके लोक सभा क्षेत्र दोनों को जोड़ने वाली बात है । महोदया, सबसे बड़ी बात है कि मेरे संसदीय क्षेत्र के रुन्नी सैदपुर प्रखण्ड के कटौंझा से तिलक ताजपुर होते हुए धनकौल तक जो बांध बागमती नदी पर है, वह जगह-जगह पर क्षतिग्रस्त हो गया है । अगर उस बांध के ऊपर कालीकरण कर दिया जाए तो बांध का भी रख-रखाव हो पाएगा और रुन्नी सैदपुर से शिवहर जाने वाले लोगों के लिए भी आवागमन में बहुत बड़ी सुविधा होगी । ठीक उसी प्रकार सुरसंद के रातो नदी पर जो बांध का निर्माण हो रहा है, उसकी गति बहुत धीमी है । अगर उसकी गति को बढ़ा कर पूरा कर के तैयार कर लिया जाए और उस पर कालीकरण हो जाए तो सुरसंद के लोगों को भी आवागमन में सुविधा होगी । नेपाल से जो पानी आता है, आज बिहार के अंदर सुखाड़ है, परंतु नेपाल के पानी से हमें अपने क्षेत्र के अंदर बाढ़ का सामना करना पड़ रहा है । मैं चाहता हूँ कि अगर उस पर कालीकरण हो जाता है तो उससे भी राहत मिलेगी । बांध का निर्माण बहुत धीमी गति में है, वह जल्दी पूरा किया जाए । कालीकरण हो जाए और लोगों को आवागमन की सुविधा हो जाए ।

माननीय सभापति: कालीकरण के अलावा उसकी ढलाई करवाने पर बाँध की रक्षा होने की बात होगी । कालीकरण तो खत्म हो जाता है ।

श्री सुनील कुमार पिन्टू : महोदया, यह तो बहुत अच्छी बात है । सरकार उस पर ध्यान दे । अगर सरकार कालीकरण की जगह उसका पक्कीकरण कर देती है तो उसकी लाइफ और बढ़ जाएगी ।

सभापति महोदया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद भी देता हूं । आपके माध्यम से मैं सरकार से कहना चाहता हूं कि पूरे बिहार में सुखाड़ आया हुआ है । अभी किसान, सरकार की ओर टकटकी लगाए देख रहे हैं । यहां से केन्द्रीय टीम जाए और सुखाड़ का आकलन करके बिहार के किसानों को जल्द राहत दे । यह मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि बिहार में जल्द से जल्द केन्द्रीय टीम भेजकर बिहार में आए हुए सुखाड़ का आकलन करके किसानों को मुआवज़ा और राहत देने का काम करे ।

महोदया, आपने समय दिया, इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद ।